

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा,
हल्द्वानी, नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 01 फरवरी 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-2010 में राजकीय महाविद्यालय थलीसैण के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 64/xxiv (7) 80(2)/2008 दिनांक 20-1-2010 के परिपेक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० से प्राप्त आगणनों के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय महाविद्यालय थलीसैण के अनावासीय भवन निर्माण हेतु उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० द्वारा गठित रु० 423.18 लाख एवं टी०ए०सी० द्वारा रु० 361.58 लाख के लिये परीक्षित/अनुमोदित आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 में रु० 17,83,000/- (रु० सत्रह लाख तिरासी हजार मात्र) की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं:

2. इस कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 475/xxvii(7)/ 2008 दिनांक 15-12-2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को उपरोक्त कार्य के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में व्यय नहीं किया जायेगा तथा अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में कोई अन्य व्यय नहीं किया जायेगा एवं समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मित्तव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा करने के उपरान्त सम्बन्धित निर्माण इकाई को अवमुक्त किया जायेगा।
3. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
4. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
6. एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
7. कार्य करने से पूर्व औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
8. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का कड़ाई से पालन किया जाय।
9. कार्य करने से पूर्व उच्चधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।

10. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय। कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड प्रोक्योरमेंट रूल्स 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
11. स्वीकृत धनराशि के उपयोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा निर्माण कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अवगत कराया जायेगा। निर्माण कार्य के लिये अवमुक्त की गई धनराशि का उपभोग शीघ्रता से करने के लिये प्राचार्य द्वारा समुचित पर्यवेक्षण किया जायेगा।
12. तृतीय पक्ष गुणवत्ता (Third party quality) सुपरविजन तथा अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाय, परन्तु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, समस्त औपचारिकतायें पूर्ण की जानी होंगी। इसका व्यय कार्यदायी संस्था को देय चार्ज (Centage) से किया जायेगा। किये गये निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण सम्बन्धित महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सुनिश्चित कर लिया जाय। उक्त रिपोर्ट से शासन को अवगत कराया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान सं० 11 के आयोजनागत पक्ष के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खेल कूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय -01- सामान्य शिक्षा-203-विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षा- आयोजनागत-04-राजकीय महाविद्यालयों के भूमि/भवन कय -24-बृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 802(p)/xxxvii(3)/2008 दिनांक 1-2-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)
प्रमुख सचिव

सं० 154 (1)/xxiv (7) 80(2)/2008 तद्दिनांक

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 3- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 4- कोषाधिकारी हल्द्वानी-नैनीताल।
- 6- प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय थलीसैण।
- 7- निर्देशक एन०आई०सी० उत्तराखण्ड।
- 8- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय देहरादून।
- 9- वित्त अनु०-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 10- मुख्य महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि०, 388/2-इन्दिरा नगर देहरादून।
- 11- विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,

(पी०एन० शाह)
उप सचिव